परहयाले ओडियिन

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

ओडिशा के बरहमपुर वशि्वविद्यालय के शोधकर्त्ताओं ने **चलि्का झील** में **समुद्री** एम्फपिोड की एक नई प्रजातकिी खोज की। ओडिशा की मूल भाषा, जो कि उड़यिा है, के नाम पर इसका नाम **परहयाले ओडयिन (Parhyale Odian)** रखा गया है।

एम्फपिोड क्या हैं?

- एम्फपिोड्स **क्रस्टेशआिई मैलाकोस्ट्रैकन (Malacostracan Crustaceans)** का एक ववििध समूह है जसिका अर्थ है कि उनमें **केकड़ों (क्रैब), लॉबस्टर और श्रम्पि (Shrimp)** के समान कुछ वशिेषताएँ होती हैं।
- उनका शरीर पार्श्व रूप से संकुचति होता है जसिका अर्थ है कि वे शरीर के दोनों ओर से चपटे होते हैं तथा शरीर का आकार घुमावदार होता है।
  - व्हेल और डॉल्फनि के शरीर पर पाए जाने वाले **व्हेल लाइस** (जूँ) वास्तव में एक प्रकार के एम्फपिोड हैं।
- एम्फपिोड, जनिमें **परहयाले वंश (Genus)** भी शामलि है, समुद्री पारसि्थतिकिी तंत्र में महत्त्वपूर्ण भूमकिा नभिाते हैं।
  - वे समुद्री खाद्य शृंखला में योगदान करते हैं और **जलवायु परविर्तन के प्रभाव** तथा तटीय पारसि्थतिकि तंत्र के स्वास्थ्य का अध्ययन करने के लयिे संकेतक के रूप में कार्य करते हैं।
- वर्ष 2023 में शोधकर्त्ताओं ने तीन नए समुद्री एम्फपिोड की खोज की जनिमें पश्चमि बंगाल तट पर खोजा गया **तालोरचेस्टयिा ब्यून्ससि** (Talorchestia buensis) और चलि्का झील में खोजे गए **क्वाड्रविसियिो चलिकिेंससि** (Quadrivisio chilikensis) तथा **डेमोरचेस्टयिा एलानेंससि** (Demaorchestia alanensis) शामलि हैं।

जीनस परहयाले और परहयाले ओडयिन की वशिेषताएँ क्या हैं?

- **जीनस परहयाले:**
  - वशि्व भर में जीनस परहयाले जीनस की 15 प्रजातयिाँ हैं। इसकी खोज सबसे पहले वर्ष 1899 में वर्जनि आइलैंड्स (US) में हुई थी।
    - वर्तमान योगदान (खोज) से जीनस परहयाले समूह में एक और प्रजातजिुड़ गई है, जसिसे समूह में वैश्वकि प्रजातयिों की संख्या 16 हो गई है।
  - **ये उभयचर समुद्री और** लवणीय जल **दोनों वातावरणों में रहते हैं।**
  - ये वशि्वव्यापी हैं, उष्णकटबिंधीय और उष्ण-समशीतोष्ण क्षेत्रों में अंतर-ज्वारीय तथा तटीय वातावरण में पाए जाते हैं।
    - ये आमतौर पर पत्थरों के नीचे संलग्न वनस्पतकिे साथ या आइसोपॉड के बलि में पाए जाते हैं।
- **परहयाले ओडयिन:**
  - यह जीनस **परहयाले** का झींगा-जैसा **क्रस्टेशयिन** है।
  - इसका रंग भूरा है, इसकी लंबाई लगभग 8 मलिीमीटर है और इसके **13 जोड़े पाद** हैं।
  - ये **अग्रपादों की पहली जोड़ी** का प्रयोग शकिार को पकड़ने और खाने के लयिे करते हैं।
  - जीनस के अन्य 15 ज्ञात प्रजातयिों के वपिरीत, परहयाले ओडयिन **सख्त दृढ सेटा (Stout Robust Seta)** – Male Gnathopod या मेल नैथोपोड (पैरों की पहली जोड़ी) की सतह पर एक मेरुदंड जैसी संरचना के कारण वशिषि्ट दखिता है।

[//]

नोट: [चलि्का झील] एशिया की **सबसे बड़ी खारे पानी की लैगून** है साथ ही वशि्व की **दूसरी सबसे बड़ी तटीय लैगून** है।

- यह भारत के पूर्वी तट पर दया नदी के मुहाने पर स्थति है, जो बंगाल की खाड़ी में गरिती है।
- अपनी समृद्ध जैववविधिता के कारण, चलि्का झील वर्ष 1981 में [रामसर अभसिमय] के तहत नामति होने वाली **अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व** की प्रथम भारतीय आर्द्रभूमि थी।
- असामान्य जल-वैज्ञानकि ववििधता चलि्का झील को एक **झील, मुहाना एवं लैगून** की वशिषताएँ प्रदान करती है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. नमि्नलखिति में से कौन-सा एक आहार शृंखला का सही क्रम है? (2014)

(a) डायटम-क्रस्टेशयिाई-हेरगि
(b) क्रस्टेशयिाई-डायटम-हेरगि
(c) डायटम-हेरगि-क्रस्टेशयिाई
(d) क्रस्टेशयिाई-हेरगि-डायटम

उत्तर: (a)